



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 28, 2013—जनवरी 3, 2014 (पौष 7, 1935)
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 28, 2013—JANUARY 3, 2014 (PAUSA 7, 1935)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.	विषय-सूची	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	947	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1069	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश..... *
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1289	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... 1031
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस..... *
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... *
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं..... 4181
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस..... 1235
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	947	Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1069	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence.....	1289	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1031
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	4181
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1235
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

भाग I — खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवंबर 2013

सं. 11011/3/2009-हि.का.क.--इस विभाग के तारीख 25 अक्टूबर, 2010 के संकल्प सं. 11011/3/2009-हि.का.क. के अनुक्रम में, आर्थिक कार्य विभाग (वित्तीय सेवा विभाग सहित) की हिंदी सलाहकार समिति का कार्यकाल 31 मई, 2014 तक बढ़ाया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रीमंडल सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, योजना आयोग, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

राजेश खुल्लर
संयुक्त सचिव

इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसंबर, 2013

सं. 4(8)/2010-एसडी-I--इस्पात संयंत्रों को विंटेज, प्रक्रिया रूट, आकार, एकीकरण का स्तर इत्यादि के आधार पर व्यापार और वाणिज्य में अलग-अलग वर्गीकृत किया गया है। सामान्य रूप से प्रयुक्त कुछ वर्गीकरण/परिभाषा “प्रमुख इस्पात संयंत्र/उत्पादक” “गौण इस्पात संयंत्र/उत्पादक” “एकीकृत इस्पात संयंत्र” “इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएफ) यूनिट” और “इलैक्ट्रिक इंडक्शन फर्नेस (ईआईएफ) यूनिट” के रूप में हैं। कई इस्पात उत्पादक इन इस्पात संयंत्रों को एकीकृत इस्पात संयंत्र अथवा प्रमुख इस्पात उत्पादकों के रूप में वर्गीकृत करने के लिए इस्पात मंत्रालय से अनुरोध करते रहे हैं। इसे उपभोक्ता उद्योगों की इस्पात अधिप्राप्ति के लिए एकीकृत/प्रमुख इस्पात संयंत्रों की प्राथमिकता द्वारा सम्भवतः इस आधार पर बल मिला है कि केवल इस प्रकार के उत्पादक ही

उचित मात्रा में गुणवत्तापरक इस्पात की आपूर्ति करने में सक्षम हैं इस मुद्दे के समाधान के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उत्पादों को निम्नलिखित पद्धति में वर्गीकृत और प्रमाणित करने का निर्णय लिया गया है :--

(1) अपनाई गई प्रक्रिया रूट/प्रौद्योगिकी के आधार पर और

(2) आकार/क्षमता के आधार पर

इस्पात संयंत्रों/उत्पादकों का वर्गीकरण :

(1) अपनाई गई प्रक्रिया रूट/प्रौद्योगिकी के आधार पर इस्पात संयंत्रों को निम्नवत वर्गीकृत किया जा सकता है :--

(क) प्रमुख इस्पात उत्पादक : वे इस्पात उत्पादक जो लौह अयस्क, कच्चा अथवा संसाधित, का उपयोग करके अपना प्रचालन लोहा निर्माण (हॉट मैटल अथवा स्पंज आयरन/डीआरआई का उत्पादन) से शुरू करते हैं और रोलिंग/प्रोसेसिंग सुविधाओं के साथ अथवा उसके बिना मानक विनिर्देशनों वाले कच्चे इस्पात का उत्पादन करते हैं।

(ख) गौण इस्पात उत्पादक : इस श्रेणी में निम्नलिखित इस्पात उत्पादक/संसाधक शामिल हैं :--

(i) वे इस्पात उत्पादक जिनके पास रोलिंग/प्रोसेसिंग सुविधाओं के साथ अथवा उसके बिना (लेकिन कैप्टिव लोहा निर्माण सुविधाओं के बिना) ईएफ और/अथवा ईआईएफ उपलब्ध हो तथा वे खरीदे गए फ़ैरस स्क्रैप और/अथवा इसके स्थानापन्न यथा स्पंज आयरन/डीआरआई के माध्यम से मानक विनिर्देशनों के अनुसार कच्चे/परिष्कृत इस्पात उत्पादों का उत्पादन करते हैं।

(ii) इस्पात संसाधक यथा हॉट रि-रोलिंग मिल्स, कोल्ड रोलिंग मिल्स, गल्वेनाईजिंग यूनिटें इत्यादि जो अर्ध परिष्कृत/मध्यम इस्पात उत्पादों के माध्यम से मानक विनिर्देशनों के अनुरूप परिष्कृत/मूल्यवर्धित इस्पात उत्पादों का उत्पादन करते हैं।

(2) आकार/क्षमता के आधार पर इस्पात उत्पादकों को निम्नवत वर्गीकृत किया जा सकता है :--

(क) एकीकृत इस्पात संयंत्र : रोलिंग सुविधाओं वाले वे प्रमुख इस्पात उत्पादक जिनके पास कच्चे इस्पात के मामले में एक ही स्थान पर न्यूनतम एक मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की क्षमता

विद्यमान हो (किसी रूट का संबंध रखे बगैर) और वे मानक विनिर्देशनों के अनुसार इस्पात उत्पादों का उत्पादन करने में समर्थ हों।

- (ख) छोटे इस्पात संयंत्र : वे प्रमुख/गौण (स्टैंड एलोन ईएएफ/ईआईएफ आधारित) इस्पात उत्पादक जिनके पास कैप्टिव रोलिंग मिल्स/प्रोसेसिंग यूनिटों के साथ/उसके बिना एक मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) कच्चा इस्पात क्षमता विद्यमान हो और वे मानक विनिर्देशनों के अनुसार इस्पात उत्पादों का उत्पादन करने में समर्थ हों।

(3) अन्य : वे इस्पात संयंत्र (उत्पादक/संसाधक) जो मानक विनिर्देशनों के अनुसार इस्पात का उत्पादन करने में समर्थ न हों।

प्रमाणन की प्रक्रिया :

इस्पात संयंत्रों का उपरोक्तानुसार प्रमाणन कंपनियों से विशेष अनुरोध प्राप्त होने पर किया जाएगा। प्रमाणन अनुरोध (सीआर) के रूप में प्रमाणन हेतु ऐसे अनुरोध कार्यपालक सचिव, संयुक्त संयंत्र समिति, कोलकाता को भेजना होगा। जेपीसी की तकनीकी समिति इन अनुरोधों की जांच परिशिष्ट में निर्दिष्ट चैक लिस्ट के अनुसार अर्हता मानदंडों के संदर्भ में करेगी और इस मामले में अपनी सिफारिशें इस्पात मंत्रालय को प्रस्तुत करेगी। इस्पात मंत्रालय इन सिफारिशों के आधार पर प्रमाणन जारी करेगा।

मॉली तिवारी
उप सचिव

परिशिष्ट

इस्पात संयंत्रों के प्रमाणन हेतु अपेक्षित सूचना/आंकड़े :

- लोहा निर्माण, इस्पात निर्माण, कार्स्टिंग, रोलिंग सुविधाओं इत्यादि के लिए कमिशनिंग प्रमाण पत्र।

- मैटीरियल प्लो डायग्राम के साथ उत्पादन प्रक्रिया पर एक संक्षेप।
- अधिष्ठापित बड़ी सुविधाओं/उपस्करों की सूची उनकी तकनीकी विनिर्देशों के साथ।
- उत्पादन क्षमता:

मद	क्षमता	पिछले वर्ष के दौरान उत्पादन
----	--------	-----------------------------

हॉट मेटल

स्पंज आयरन/डीआरआई/एचबीआई

कच्चा/कास्ट स्टील

परिष्कृत इस्पात उत्पाद:

(क) हॉट रोलड उत्पाद

(ख) कोल्ड रोलड उत्पाद

(ग) अन्य (कृपया उल्लेख करें)

- प्राप्त बीआईएस लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन का ब्यौरा और/अथवा अंतर्राष्ट्रीय/अन्य मानक विनिर्देशों के अनुसार इस्पात आपूर्ति के प्रमाण।
- अंतर्राष्ट्रीय/अन्य मानक विनिर्देशों के अनुसार उत्पादित/आपूर्ति किए गए विक्रेय इस्पात की मात्रा।
- इस्पात संयंत्र के आईएसपी के रूप में वर्गीकरण हेतु क्षमता संबंधी सूचना के साथ आपूर्तिकर्ता का प्रमाण पत्र/अंतिम स्वीकृति प्रमाण पत्र (एफएसी), जिसमें इस्पात के उत्पादन हेतु संयंत्र की क्षमता का उल्लेख हो अथवा तकनीकी समिति की संतुष्टि के अन्य संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएं।

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

New Delhi, the 26th November, 2013

RESOLUTION

No.11011/3/2009-HIC—In continuation of this Department's Resolution No. F.No.11011/3/2009-HIC dated 25th October, 2010, the tenure of Hindi Salahkar Samiti of the Department of Economic Affairs (including Department of Financial Services) is extended upto 31st May, 2014.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members of this Committee, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Committee of Parliament on Official Language, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India's Office and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RAJESH KHULLAR
Jt. Secy.

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 12th December, 2013

No. 4(8)/2010-SD-I.—Steel Plants are classified differently in trade and commerce on the basis of vintage, process route, size, level of integration etc. Some of the commonly used classifications/definitions are “Primary Steel Plants/Producers”, “Secondary Steel Plants/Producers”, “Integrated Steel Plants”, “Electric Arc Furnace (EAF) Unit”, and “Electric Induction Furnace (EIF) Unit”. A number of Steel Producers have been approaching the Ministry of Steel for classifying them as Integrated Steel Plants or Primary Steel Producers. This was prompted by the user industries' preference for Integrated/ Primary Steel Plants for steel procurement

presumably on the ground that only such producers are capable of supplying quality steel in the right quantity. In order to resolve this issue, it has been decided to classify and certify steel producers in the private as well as public domain in the following manner:—

- (1) on the basis of process route/technology adopted, and
- (2) on the basis of size/capacity.

CLASSIFICATION OF STEEL PLANTS/PRODUCERS:

(1) On the basis of process route/technology adopted, steel plants may be classified as:—

- (a) **Primary Steel Producers:** Steel Producers starting their operation from iron making (production of hot metal or sponge iron/DRI) using iron ore, virgin or processed and producing crude steel of standard specifications, with or without rolling/processing facilities.
- (b) **Secondary Steel Producers:** Steel producers/processors comprising:—
 - (i) Steel producers having EAF and/or EIF with/without rolling/processing facilities (but without captive iron making facilities) producing crude/finished steel products as per standard specifications from purchased ferrous scrap and/or its substitutes like sponge iron/DRI.
 - (ii) Steel processors like hot re-rolling mills, cold rolling mills, galvanizing units, etc. producing finished/value added steel products as per standard specifications from semi-finished/intermediate steel products.

(2) On the basis of size/capacity steel producers may be classified as :

- (a) **Integrated Steel Plants :** Primary steel producers with rolling facilities having a minimum capacity of one million tonne per annum (mtpa) in terms of crude steel in a single location (irrespective of any route) and capable of producing steel products as per standard specifications.
- (b) **Mini Steel Plants :** Primary/Secondary (stand-alone EAF/EIF based) steel producers having a capacity of less than one million tonne per annum (mtpa) of crude steel with/without captive rolling mills/processing units and capable of producing steel products as per standard specifications.

(3) **Others :** Steel plants (producers/processors) not capable of producing steel as per standard specifications.

PROCESS OF CERTIFICATION :

The certification of steel plants as above will be done on specific requests from the companies. Such requests for certification in the form 'Certification Request (CR)' are to be addressed to the Executive Secretary, Joint Plant Committee, Kolkata. The Technical Committee of the JPC will examine the request with reference to the qualifying criteria as per the check list specified in the Appendix and furnish their recommendations in the case to the Ministry of Steel. The Ministry of Steel, on the basis of such recommendations, will issue the certificate.

MOLLY TIWARI
Dy. Secy.

Appendix

INFORMATION/DATA REQUIRED FOR CERTIFICATION OF STEEL PLANTS

1. Commissioning certificate for Iron making, Steel making, Casting, Rolling facilities etc.
2. A brief on production process along with the material flow diagram.
3. A list of major facilities / equipment installed with their technical specifications.
4. Production Capacity :—

Item	Capacity	Production during Previous Year
Hot Metal		
Sponge Iron/DRI/HBI		
Crude/Cast Steel		
Finished Steel Products:		
(a) Hot rolled products		
(b) Cold rolled products		
(c) Others (pl. specify)		

5. Details of BIS licence/registration obtained and / or proof of supply of steel as per International/Other standard specifications.
6. Quantity of saleable steel produced/supplied as per national/International/ Other standard specifications.
7. For classification of steel plant as ISP, information on capacity may be supported by the Supplier's Certificate/ Final Acceptance Certificate (FAC) outlining the capacity of the Plant for production of steel or any other relevant document to the satisfaction of the technical committee.

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2013

PRINTED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T. FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2013
www.dop.nic.in